# AI के सामाजिक प्रभाव एवं चुनौती।

बालू राम गावडिया, शोधार्थी, Department of Geography, SPC Government College Ajmer, MDS University.
Dr. Renu Poonia, Co Supervisor
Dr. Sunil Sharma

## शोध साराश

आर्टिफिशियल इंटेलिजेस (AI) तीव्र गति से हमारे दैनिक जीवन का प्रभावशाली हिस्सा बन गया है, जो समाज के सभी पहलुओं को नया रूप दे रहा है और नई संभावनाओं और अवसरों का सृजन कर रहा है। AI का विकास समाज पर इसके अच्छे-बुरे प्रभाव और इसके उपयोग के संभावित परिणामों के बारे में चिताएँ भी सामने ला रहा है। यह शोध पत्र समाज के अनेक पहलुओं, जिसमें शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और नैतिकता शामिल है, पर AI के असर का एक विस्तृत अवलोकन पस्तुत करता है। इस लक्ष्य को पाने के लिए, Al के प्रभाव पर उपलब्ध शोध और डेटा की व्यापक समीक्षा की गई है। साहित्य समीक्षा AI के आर्थिक, सामाजिक और नैतिक मुद्दों के साथ इसके कार्यान्वयन से संबंधित चुनौतियों पर केंद्रित थी। समीक्षा में यह निष्कर्ष पाया गया कि AI में समाज को महत्वपूर्ण फायदे पहुँचाने की क्षमता है, यह ऐसी चुनौतियों और खतरे भी पेश करता है जिनका हल निकाला जाना चाहिए। यह शोध पत्र समाज के अनेक क्षेत्रों जिसमें अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और रोजगार इत्यादि शामिल है, पर AI के असर की चर्चा भी प्रस्तुत है। विश्लेषण में यह सामने आया कि AI में रोगों के परिणामों को सटीक बनाने और कुशल और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवाने की क्षमता है। यह व्यक्तिगत तथा अनुकूल शिक्षण अनुभव दे कर शिक्षा को भी नया रुप दे सकता है। कार्यस्थल में AI के उपयोग से नौकरी परिवर्तन और आर्थिक विषमता की संभावना पैदा होती है। इसके साथ ही यह शोध पत्र AI के नैतिक मुद्दों का मूल्याकन करता है और एआई तकनीक के उचित विकास और तैनाती की आवश्यकता जाहिर करता है। इसमे पूर्वाग्रह, गोपनीयता, निजता और पारदर्शिता को संबोधित करने के लिए व्यवस्था और दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है। यह शोध पत्र समाज के अलग अलग पहलुओं पर एआई के प्रभाव का विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत करता है। यह पत्र लोगो, नीति निर्माताओं, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को एआई की प्रभावी, जिम्मेदार और न्यायसगत उपयोग के लिए मार्गदर्शन करने में सहायता करता है।